

男子シングルス (1)

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|----------------------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|----|
| 1 戸上 隼 輔 2 (野田学園・山口) | 201 | 301 | 401 | 501 | 601 | 701 | 801 | 901 | 1001 | 1101 | 1201 | 1301 | 1401 | 1501 | 1601 | 1701 | 1801 | 1901 | 2001 | 2101 | 2201 | 2301 | 2401 | 2501 | 2601 | 2701 | 2801 | 2901 | 3001 | 3101 | 3201 | 3301 | 3401 | 3501 | 3601 | 3701 | 3801 | 3901 | 4001 | 4101 | 4201 | 4301 | 4401 | 4501 | 4601 | 4701 | 4801 | 4901 | 5001 | 5101 | 5201 | 5301 | 5401 | 5501 | 5601 | 5701 | 5801 | 5901 | 6001 | 6101 | 6201 | 6301 | 6401 | 6501 | 6601 | 6701 | 6801 | 6901 | 7001 | 7101 | 7201 | 7301 | 7401 | 7501 | 7601 | 7701 | 7801 | 7901 | 8001 | 8101 | 8201 | 8301 | 8401 | 8501 | 8601 | 8701 | 8801 | 8901 | 9001 | 9101 | 9201 | 9301 | 9401 | 9501 | 9601 | 9701 | 9801 | 9901 | 10001 | 10101 | 10201 | 10301 | 10401 | 10501 | 10601 | 10701 | 10801 | 10901 | 11001 | 11101 | 11201 | 11301 | 11401 | 11501 | 11601 | 11701 | 11801 | 11901 | 12001 | 12101 | 12201 | 12301 | 12401 | 12501 | 12601 | 12701 | 12801 | 12901 | 13001 | 13101 | 13201 | 13301 | 13401 | 13501 | 13601 | 13701 | 13801 | 13901 | 14001 | 14101 | 14201 | 14301 | 14401 | 14501 | 14601 | 14701 | 14801 | 14901 | 15001 | 15101 | 15201 | 15301 | 15401 | 15501 | 15601 | 15701 | 15801 | 15901 | 16001 | 16101 | 16201 | 16301 | 16401 | 16501 | 16601 | 16701 | 16801 | 16901 | 17001 | 17101 | 17201 | 17301 | 17401 | 17501 | 17601 | 17701 | 17801 | 17901 | 18001 | 18101 | 18201 | 18301 | 18401 | 18501 | 18601 | 18701 | 18801 | 18901 | 19001 | 19101 | 19201 | 19301 | 19401 | 19501 | 19601 | 19701 | 19801 | 19901 | 20001 | 20101 | 20201 | 20301 | 20401 | 20501 | 20601 | 20701 | 20801 | 20901 | 21001 | 21101 | 21201 | 21301 | 21401 | 21501 | 21601 | 21701 | 21801 | 21901 | 22001 | 22101 | 22201 | 22301 | 22401 | 22501 | 22601 | 22701 | 22801 | 22901 | 23001 | 23101 | 23201 | 23301 | 23401 | 23501 | 23601 | 23701 | 23801 | 23901 | 24001 | 24101 | 24201 | 24301 | 24401 | 24501 | 24601 | 24701 | 24801 | 24901 | 25001 | 25101 | 25201 | 25301 | 25401 | 25501 | 25601 | 25701 | 25801 | 25901 | 26001 | 26101 | 26201 | 26301 | 26401 | 26501 | 26601 | 26701 | 26801 | 26901 | 27001 | 27101 | 27201 | 27301 | 27401 | 27501 | 27601 | 27701 | 27801 | 27901 | 28001 | 28101 | 28201 | 28301 | 28401 | 28501 | 28601 | 28701 | 28801 | 28901 | 29001 | 29101 | 29201 | 29301 | 29401 | 29501 | 29601 | 29701 | 29801 | 29901 | 30001 | 30101 | 30201 | 30301 | 30401 | 30501 | 30601 | 30701 | 30801 | 30901 | 31001 | 31101 | 31201 | 31301 | 31401 | 31501 | 31601 | 31701 | 31801 | 31901 | 32001 | 32101 | 32201 | 32301 | 32401 | 32501 | 32601 | 32701 | 32801 | 32901 | 33001 | 33101 | 33201 | 33301 | 33401 | 33501 | 33601 | 33701 | 33801 | 33901 | 34001 | 34101 | 34201 | 34301 | 34401 | 34501 | 34601 | 34701 | 34801 | 34901 | 35001 | 35101 | 35201 | 35301 | 35401 | 35501 | 35601 | 35701 | 35801 | 35901 | 36001 | 36101 | 36201 | 36301 | 36401 | 36501 | 36601 | 36701 | 36801 | 36901 | 37001 | 37101 | 37201 | 37301 | 37401 | 37501 | 37601 | 37701 | 37801 | 37901 | 38001 | 38101 | 38201 | 38301 | 38401 | 38501 | 38601 | 38701 | 38801 | 38901 | 39001 | 39101 | 39201 | 39301 | 39401 | 39501 | 39601 | 39701 | 39801 | 39901 | 40001 | 40101 | 40201 | 40301 | 40401 | 40501 | 40601 | 40701 | 40801 | 40901 | 41001 | 41101 | 41201 | 41301 | 41401 | 41501 | 41601 | 41701 | 41801 | 41901 | 42001 | 42101 | 42201 | 42301 | 42401 | 42501 | 42601 | 42701 | 42801 | 42901 | 43001 | 43101 | 43201 | 43301 | 43401 | 43501 | 43601 | 43701 | 43801 | 43901 | 44001 | 44101 | 44201 | 44301 | 44401 | 44501 | 44601 | 44701 | 44801 | 44901 | 45001 | 45101 | 45201 | 45301 | 45401 | 45501 | 45601 | 45701 | 45801 | 45901 | 46001 | 46101 | 46201 | 46301 | 46401 | 46501 | 46601 | 46701 | 46801 | 46901 | 47001 | 47101 | 47201 | 47301 | 47401 | 47501 | 47601 | 47701 | 47801 | 47901 | 48001 | 48101 | 48201 | 48301 | 48401 | 48501 | 48601 | 48701 | 48801 | 48901 | 49001 | 49101 | 49201 | 49301 | 49401 | 49501 | 49601 | 49701 | 49801 | 49901 | 50001 | 50101 | 50201 | 50301 | 50401 | 50501 | 50601 | 50701 | 50801 | 50901 | 51001 | 51101 | 51201 | 51301 | 51401 | 51501 | 51601 | 51701 | 51801 | 51901 | 52001 | 52101 | 52201 | 52301 | 52401 | 52501 | 52601 | 52701 | 52801 | 52901 | 53001 | 53101 | 53201 | 53301 | 53401 | 53501 | 53601 | 53701 | 53801 | 53901 | 54001 | 54101 | 54201 | 54301 | 54401 | 54501 | 54601 | 54701 | 54801 | 54901 | 55001 | 55101 | 55201 | 55301 | 55401 | 55501 | 55601 | 55701 | 55801 | 55901 | 56001 | 56101 | 56201 | 56301 | 56401 | 56501 | 56601 | 56701 | 56801 | 56901 | 57001 | 57101 | 57201 | 57301 | 57401 | 57501 | 57601 | 57701 | 57801 | 57901 | 58001 | 58101 | 58201 | 58301 | 58401 | 58501 | 58601 | 58701 | 58801 | 58901 | 59001 | 59101 | 59201 | 59301 | 59401 | 59501 | 59601 | 59701 | 59801 | 59901 | 60001 | 60101 | 60201 | 60301 | 60401 | 60501 | 60601 | 60701 | 60801 | 60901 | 61001 | 61101 | 61201 | 61301 | 61401 | 61501 | 61601 | 61701 | 61801 | 61901 | 62001 | 62101 | 62201 | 62301 | 62401 | 62501 | 62601 | 62701 | 62801 | 62901 | 63001 | 63101 | 63201 | 63301 | 63401 | 63501 | 63601 | 63701 | 63801 | 63901 | 64001 | 64101 | 64201 | 64301 | 64401 | 64501 | 64601 | 64701 | 64801 | 64901 | 65001 | 65101 | 65201 | 65301 | 65401 | 65501 | 65601 | 65701 | 65801 | 65901 | 66001 | 66101 | 66201 | 66301 | 66401 | 66501 | 66601 | 66701 | 66801 | 66901 | 67001 | 67101 | 67201 | 67301 | 67401 | 67501 | 67601 | 67701 | 67801 | 67901 | 68001 | 68101 | 68201 | 68301 | 68401 | 68501 | 68601 | 68701 | 68801 | 68901 | 69001 | 69101 | 69201 | 69301 | 69401 | 69501 | 69601 | 69701 | 69801 | 69901 | 70001 | 70101 | 70201 | 70301 | 70401 | 70501 | 70601 | 70701 | 70801 | 70901 | 71001 | 71101 | 71201 | 71301 | 71401 | 71501 | 71601 | 71701 | 71801 | 71901 | 72001 | 72101 | 72201 | 72301 | 72401 | 72501 | 72601 | 72701 | 72801 | 72901 | 73001 | 73101 | 73201 | 73301 | 73401 | 73501 | 73601 | 73701 | 73801 | 73901 | 74001 | 74101 | 74201 | 74301 | 74401 | 74501 | 74601 | 74701 | 74801 | 74901 | 75001 | 75101 | 75201 | 75301 | 75401 | 75501 | 75601 | 75701 | 75801 | 75901 | 76001 | 76101 | 76201 | 76301 | 76401 | 76501 | 76601 | 76701 | 76801 | 76901 | 77001 | 77101 | 77201 | 77301 | 77401 | 77501 | 77601 | 77701 | 77801 | 77901 | 78001 | 78101 | 78201 | 78301 | 78401 | 78501 | 78601 | 78701 | 78801 | 78901 | 79001 | 79101 | 79201 | 79301 | 79401 | 79501 | 79601 | 79701 | 79801 | 79901 | 80001 | 80101 | 80201 | 80301 | 80401 | 80501 | 80601 | 80701 | 80801 | 80901 | 81001 | 81101 | 81201 | 81301 | 81401 | 81501 | 81601 | 81701 | 81801 | 81901 | 82001 | 82101 | 82201 | 82301 | 82401 | 82501 | 82601 | 82701 | 82801 | 82901 | 83001 | 83101 | 83201 | 83301 | 83401 | 83501 | 83601 | 83701 | 83801 | 83901 | 84001 | 84101 | 84201 | 84301 | 84401 | 84501 | 84601 | 84701 | 84801 | 84901 | 85001 | 85101 | 85201 | 85301 | 85401 | 85501 | 85601 | 85701 | 85801 | 85901 | 86001 | 86101 | 86201 | 86301 | 86401 | 86501 | 86601 | 86701 | 86801 | 86901 | 87001 | 87101 | 87201 | 87301 | 87401 | 87501 | 87601 | 87701 | 87801 | 87901 | 88001 | 88101 | 88201 | 88301 | 88401 | 88501 | 88601 | 88701 | 88801 | 88901 | 89001 | 89101 | 89201 | 89301 | 89401 | 89501 | 89601 | 89701 | 89801 | 89901 | 90001 | 90101 | 90201 | 90301 | 90401 | 90501 | 90601 | 90701 | 90801 | 90901 | 91001 | 91101 | 91201 | 91301 | 91401 | 91501 | 91601 | 91701 | 91801 | 91901 | 92001 | 92101 | 92201 | 92301 | 92401 | 92501 | 92601 | 92701 | 92801 | 92901 | 93001 | 93101 | 93201 | 93301 | 93401 | 93501 | 93601 | 93701 | 93801 | 93901 | 94001 | 94101 | 94201 | 94301 | 94401 | 94501 | 94601 | 94701 | 94801 | 94901 | 95001 | 95101 | 95201 | 95301 | 95401 | 95501 | 95601 | 95701 | 95801 | 95901 | 96001 | 96101 | 96201 | 96301 | 96401 | 96501 | 96601 | 96701 | 96801 | 96901 | 97001 | 97101 | 97201 | 97301 | 97401 | 97501 | 97601 | 97701 | 97801 | 97901 | 98001 | 98101 | 98201 | 98301 | 98401 | 98501 | 98601 | 98701 | 98801 | 98901 | 99001 | 99101 | 99201 | 99301 | 99401 | 99501 | 99601 | 99701 | 99801 | 99901 | 100001 | 100002 | 100003 | 100004 | 100005 | 100006 | 100007 | 100008 | 100009 | 100010 | 100011 | 100012 | 100013 | 100014 | 100015 | 100016 | 100017 | 100018 | 100019 | 100020 | 100021 | 100022 | 100023 | 100024 | 100025 | 100026 | 100027 | 100028 | 100029 | 100030 | 100031 | 100032 | 100033 | 100034 | 100035 | 100036 | 100037 | 100038 | 100039 | 100040 | 100041 | 100042 | 100043 | 100044 | 100045 | 100046 | 100047 | 100048 | 100049 | 100050 | 100051 | 100052 | 100053 | 100054 | 100055 | 100056 | 100057 | 100058 | 100059 | 100060 | 100061 | 100062 | 100063 | 100064 | 100065 | 100066 | 100067 | 100068 | 100069 | 100070 | 100071 | 100072 | 100073 | 100074 | 100075 | 100076 | 100077 | 100078 | 100079 | 100080 | 100081 | 100082 | 100083 | 100084 | 100085 | 100086 | 100087 | 100088 | 100089 | 100090 | 100091 | 100092 | 100093 | 100094 | 100095 | 100096 | 100097 | 100098 | 100099 | 100100 | 100101 | 100102 | 100103 | 100104 | 100105 | 100106 | 100107 | 100108 | 100109 | 100110 | 100111 | 100112 | 100113 | 100114 | 100115 | 100116 | 100117 | 100118 | 100119 | 100120 | 100121 | 100122 | 100123 | 100124 | 100125 | 100126 | 100127 | 100128 | 100129 | 100130 | 100131 | 100132 | 100133 | 100134 | 100135 | 100136 | 100137 | 100138 | 100139 | 100140 | 100141 | 100142 | 100143 | 100144 | 100145 | 100146 | 100147 | 100148 | 100149 | 100150 | 100151 | 100152 | 100153 | 100154 | 100155 | 100156 | 100157 | 100158 | 100159 | 100160 | 100161 | 100162 | 100163 | 100164 | 100165 | 100166 | 100167 | 100168 | 100169 | 100170 | 100171 | 100172 | 100173 | 100174 | 100175 | 100176 | 100177 | 100178 | 100179 | 100180 | 100181 | 100182 | 100183 | 100184 | 100185 | 100186 | 100187 | 100188 | 100189 | 100190 | 100191 | 100192 | 100193 | 100194 | 100195 | 100196 | 100197 | 100198 | 100199 | 100200 | 100201 | 100202 | 100203 | 100204 | 100205 | 100206 | 100207 | 100208 | 100209 | 100210 | 100211 | 100212 | 100213 | 100214 | 100215 | 100216 | 100217 | 100218 | 100219 | 100220 | 10 |
|----------------------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|----|

女子ダブルス (1)

| | | | |
|------------------------|-----|------------------------|-----|
| 1 大野 島 奈々 3 (愛み大瑞穂・愛知) | 201 | 里川 奈優 2 (明德義塾・高知) 28 | 206 |
| 2 石川 葵 3 (徳島商業・徳島) | 101 | 長谷川 菜生 3 (明大八王子・東京) 29 | 112 |
| 3 山本 みなみ 2 (敬徳・佐賀) | 301 | 品中 優衣 3 (奈良女子・奈良) 30 | 113 |
| 4 鈴木 亜依 2 (駒大苫小牧・北海道) | 102 | 橘地 陽花 3 (富山商業・富山) 31 | 113 |
| 5 太田 萌水 3 (北越・新潟) | 202 | 野村 通七 2 (浜松修学舎・静岡) 32 | 210 |
| 6 中谷 紗公良 3 (粉河・和歌山) | 103 | 小森 愛佳 3 (駒大苫小牧・北海道) 33 | 114 |
| 7 黒野 葵衣 3 (武蔵野・東京) | 401 | 安田 優佳 3 (開新・熊本) 34 | 114 |
| 8 萱嶋 沙希 3 (明誠・島根) | 203 | 小林 光優 2 (木更津総合・千葉) 35 | 211 |
| 9 浦山 珠希 2 (長崎女子商・長崎) | 104 | 宮崎 翔 3 (四天王寺・大阪) 36 | 115 |
| 10 何小 湛然 3 (明秀日立・茨城) | 302 | 長尾 梨香 3 (鳥取敬愛・鳥取) 37 | 212 |
| 11 杉林 海珠 2 (文星女子・栃木) | 105 | 小岩 佳奈 3 (鹿児島城西・鹿児島) 38 | 116 |
| 12 中富 彩希 3 (教賀・福井) | 204 | 杉山 未紗 2 (大曲・秋田) 39 | 212 |
| 13 高橋 沙希 3 (桜の聖母・福島) | 501 | 岡本 彩里 3 (富田・岐阜) 40 | 212 |
| 14 白神 ひかる 2 (白子・三重) | 205 | 平田 梨花 3 (進徳女子・広島) 41 | 213 |
| 15 沖金 ひとみ 2 (岩国商業・山口) | 106 | 加藤 美咲 3 (秋草学園・埼玉) 42 | 117 |
| 16 菊池 愛蘭 3 (水沢・岩手) | 303 | 加藤 七菜 1 (酒田東・山形) 43 | 117 |
| 17 竹泉 千穂 3 (吾妻中央・群馬) | 107 | 多田 玲帆 3 (日南学園・宮崎) 44 | 118 |
| 18 田中 木葉 2 (希望が丘・福岡) | 206 | 山本 佳子 3 (御影・兵庫) 45 | 214 |
| 19 加藤 杏菜 3 (華頂女子・京都) | 108 | 青木 優佳 2 (横浜隼人・神奈川) 46 | 214 |
| 20 田中 静流 3 (須坂創成・長野) | 402 | 高松 菜々子 3 (滋賀学園・滋賀) 47 | 119 |
| 21 西原 早紀 3 (済美・愛媛) | 109 | 三澤 実由 2 (聖和学園・宮城) 48 | 215 |
| 22 高橋 花 3 (明豊・大分) | 207 | 井関 未希 2 (四学香川西・香川) 49 | 120 |
| 23 中園 恵月 3 (桜丘・愛知) | 110 | 泉川 緩奈 3 (コザ・沖縄) 50 | 120 |
| 24 柳内 美佳 3 (育英・兵庫) | 304 | 北川 純 3 (日本航空・山梨) 51 | 121 |
| 25 津田 菜穂 2 (就実・岡山) | 111 | 近藤 真帆 3 (安城学園・愛知) 52 | 216 |
| 26 中藤 恭花 2 (幕張総合・千葉) | 208 | 千平 菜月 3 (遊学館・石川) 53 | 216 |
| 27 佐藤 南緒 3 (五所商業・青森) | | | |

女子ダブルス (2)

| | | | |
|------------------------|-----|------------------------|-----|
| 54 出雲 美空 2 (遊学館・石川) | 217 | 青木 千佳 3 (福井商業・福井) 81 | 225 |
| 55 山下 楓夏 2 (三田学園・兵庫) | 122 | 中外 陽菜 3 (普天間・沖縄) 82 | 133 |
| 56 坂本 詩織 3 (富田・岐阜) | 305 | 小林 夏美 2 (樹徳・群馬) 83 | 133 |
| 57 杉本 果緒 1 (希望が丘・福岡) | 123 | 米田 彩乃 2 (秋田・秋田) 84 | 131 |
| 58 橋本 千帆 3 (桜の聖母・福島) | 218 | 小地 佑理 3 (尽誠学園・香川) 85 | 226 |
| 59 青木 萌恵 3 (武蔵野・東京) | 124 | 高田 里那 1 (木更津総合・千葉) 86 | 135 |
| 60 寺本 愛花 2 (徳島市立・徳島) | 405 | 鈴木 琴音 3 (四天王寺・大阪) 87 | 135 |
| 61 富山 真穂 3 (鎮西学院・長崎) | 219 | 門阪 彩奈 1 (浜松修学舎・静岡) 88 | 136 |
| 62 野村 優香 3 (明誠・島根) | 125 | 坂元 睦月 3 (武蔵野・東京) 89 | 136 |
| 63 本間 柚衣 3 (山形城北・山形) | 310 | 榎谷 優香 2 (鹿児島城西・鹿児島) 90 | 137 |
| 64 山口 咲菜 2 (滋賀学園・滋賀) | 126 | 徳田 明梨 1 (萩光学院・山口) 91 | 137 |
| 65 梅村 依美 3 (名経大高蔵・愛知) | 220 | 樹和 沙羅 3 (龍谷大平安・京都) 92 | 138 |
| 66 桑原 穂実 2 (正智深谷・埼玉) | 503 | 佐々木 美玲 3 (聖和学園・宮城) 93 | 228 |
| 67 後木 玲奈 3 (駒大苫小牧・北海道) | 221 | 永稲 麻里加 3 (希望が丘・福岡) 94 | 139 |
| 68 岡野 弥咲 2 (浜松修学舎・静岡) | 127 | 浅原 一恵 2 (桜丘・愛知) 95 | 229 |
| 69 出澤 佳利 1 (大成女子・茨城) | 311 | 小松 美彩 3 (横浜隼人・神奈川) 96 | 139 |
| 70 岡野 莉奈 3 (松商学園・長野) | 128 | 村口 舞紘 1 (鳥取商業・鳥取) 97 | 140 |
| 71 藤原 奈子 2 (横浜隼人・神奈川) | 222 | 山本 彩希 3 (日本航空・山梨) 98 | 230 |
| 72 有馬 唯音 3 (慶誠・熊本) | 129 | 石橋 愛理 1 (敬徳・佐賀) 99 | 140 |
| 73 鶴岡 菜月 3 (就実・岡山) | 406 | 児玉 菜穂 2 (北越・新潟) 100 | 230 |
| 74 中島 花山 3 (奈良女子・奈良) | 130 | 平野 朝日 3 (進徳女子・広島) 101 | 141 |
| 75 関口 綾乃 3 (青藍泰斗・栃木) | 223 | 井上 鈴弥 2 (粉河・和歌山) 102 | 141 |
| 76 中園 涼花 3 (明豊・大分) | 131 | 口地 恋夏 2 (白子・三重) 103 | 142 |
| 77 長岩 楓子 3 (専大北上・岩手) | 312 | 高田 愛佳 3 (明德義塾・高知) 104 | 142 |
| 78 黒田 さくら 2 (済美・愛媛) | 132 | 秋元 悠奈 3 (弘前実業・青森) 105 | 143 |
| 79 堀石 聖佳 3 (南砺福野・富山) | 224 | 中村 桃夏 3 (日南学園・宮崎) 106 | 232 |
| 80 板花 美玲 3 (愛み大瑞穂・愛知) | | 岡崎 日和 3 (川口市立・埼玉) 107 | 232 |

2018.7.7 審判長 塩見 卓生



女子シングルス (1)

| | | | |
|---------------------|-----|------------------|-----|
| 1 岡崎日和3(川口市立・埼玉) | 201 | 出雲美空2(遊学館・石川) | 54 |
| 2 杉浦彩月3(桜丘・愛知) | 101 | 松島由佳2(御影・兵庫) | 55 |
| 3 秋山有紀3(明德義塾・高知) | 301 | 小森愛佳3(駒大苫小牧・北海道) | 56 |
| 4 高橋花3(明豊・大分) | 102 | 浦佑穂3(吾妻中央・群馬) | 57 |
| 5 木村奏美2(樹徳・群馬) | 202 | 松下紋加1(浜松学芸・静岡) | 58 |
| 6 田中静流3(須坂創成・長野) | 103 | 田中木葉2(希望が丘・福岡) | 59 |
| 7 菊池愛蘭3(水沢・岩手) | 401 | 米田彩乃2(秋田・秋田) | 60 |
| 8 江戸絢音3(育英・兵庫) | 203 | 岡田琴菜1(明德義塾・高知) | 61 |
| 9 諏訪蘭結莉3(鹿児島城西・鹿児島) | 104 | 小野日花里2(明秀日立・茨城) | 62 |
| 10 何湛然3(明秀日立・茨城) | 302 | 石崎瑞貴3(開新・熊本) | 63 |
| 11 濱元乃愛3(高岡龍谷・富山) | 105 | 松島ほたる1(岩国商業・山口) | 64 |
| 12 泉田朱音2(進徳女子・広島) | 204 | 洞毛瑠香3(木更津総合・千葉) | 65 |
| 13 後木玲奈3(駒大苫小牧・北海道) | 501 | 鈴木琴音3(四天王寺・大阪) | 66 |
| 14 相馬夢乃1(遊学館・石川) | 205 | 村田咲紀3(山陽女子・岡山) | 67 |
| 15 松井薫音1(横浜隼人・神奈川) | 106 | 軒佳鈴1(愛み大瑞穂・愛知) | 68 |
| 16 山本愛織1(滋賀学園・滋賀) | 303 | 花井可奈1(武蔵野・東京) | 69 |
| 17 遠藤希来2(聖和学園・宮城) | 107 | 近藤愛香3(五所商業・青森) | 70 |
| 18 松山遥香3(文大杉並・東京) | 206 | 児玉茉優2(北越・新潟) | 71 |
| 19 松永季枝3(佐賀北・佐賀) | 108 | 樋口佳菜2(奈良女子・奈良) | 72 |
| 20 谷渡亜美2(富田・岐阜) | 402 | 多武玲帆3(日南学園・宮崎) | 73 |
| 21 関口綾乃3(青藍泰斗・栃木) | 109 | 白神ひかる2(白子・三重) | 74 |
| 22 戎野那菜3(徳島商業・徳島) | 207 | 黒田さくら2(済美・愛媛) | 75 |
| 23 町田千尋1(桜の聖母・福島) | 110 | 小池香月2(専大北上・岩手) | 76 |
| 24 藤原真由3(奈良女子・奈良) | 304 | 石橋愛理1(敬徳・佐賀) | 77 |
| 25 有馬唯音利3(慶誠・熊本) | 111 | 井上鈴2(粉河・和歌山) | 78 |
| 26 中島夢唯1(浜松修学舎・静岡) | 208 | 地崎陽花3(富山商業・富山) | 79 |
| 27 原田季佳2(山陽女子・岡山) | 601 | 桑原穂実2(正智深谷・埼玉) | 80 |
| 28 小林光優2(木更津総合・千葉) | 209 | 高橋沙希3(桜の聖母・福島) | 81 |
| 29 吉田美央3(福井商業・福井) | 112 | 渡邊寧々3(明豊・大分) | 82 |
| 30 岩切蛍3(宮崎商業・宮崎) | 305 | 大橋奈々子2(真岡女子・栃木) | 83 |
| 31 後藤亜弥1(粉河・和歌山) | 113 | 萱嶋沙希3(明誠・島根) | 84 |
| 32 太田掌子3(名経大高蔵・愛知) | 210 | 沼野有希1(日本航空・山梨) | 85 |
| 33 中井清か3(弘前実業・青森) | 114 | 岡本彩里3(富田・岐阜) | 86 |
| 34 石田瑳歩2(倉吉東・鳥取) | 403 | 清水美歩2(滋賀学園・滋賀) | 87 |
| 35 加藤杏菜3(華頂女子・京都) | 211 | 黄佳怡3(瓊浦・長崎) | 88 |
| 36 青木優佳2(横浜隼人・神奈川) | 115 | 高田里那1(木更津総合・千葉) | 89 |
| 37 郡山七海2(明誠・島根) | 306 | 順琳婧1(桜丘・愛知) | 90 |
| 38 浦珠希2(長崎女子商・長崎) | 116 | 秦瑞歩2(徳島市立・徳島) | 91 |
| 39 杉山晴菜1(秋田商業・秋田) | 212 | 森廣伽衣1(福井商業・福井) | 92 |
| 40 木塚陽菜1(済美・愛媛) | 502 | 澤田佳苗3(育英・兵庫) | 93 |
| 41 永道麻依加3(希望が丘・福岡) | 213 | 伊藤佑希子3(札幌大谷・北海道) | 94 |
| 42 本井明梨1(四天王寺・大阪) | 117 | 藤田奈子2(横浜隼人・神奈川) | 95 |
| 43 長江日南3(高田・三重) | 307 | 三澤実由2(聖和学園・宮城) | 96 |
| 44 山本彩葉3(日本航空・山梨) | 118 | 長尾梨香3(鳥取敬愛・鳥取) | 97 |
| 45 鶴尾知佳3(高松商業・香川) | 214 | 岡野弥咲樹2(浜松修学舎・静岡) | 98 |
| 46 高橋智捺2(桜の聖母・福島) | 404 | 小林佑理3(尽誠学園・香川) | 99 |
| 47 謝嘉琪3(開志国際・新潟) | 119 | 榎谷優香2(鹿児島城西・鹿児島) | 100 |
| 48 中村陽菜3(普天間・沖縄) | 215 | 平田梨花3(進徳女子・広島) | 101 |
| 49 阿部雪奈3(山形学院・山形) | 120 | 泉川緩奈3(コザ・沖縄) | 102 |
| 50 青木萌恵3(武蔵野・東京) | 308 | 菅美乃莉3(星野・埼玉) | 103 |
| 51 野上つばみ1(秋光塩学院・山口) | 121 | 大平恵里1(長野商業・長野) | 104 |
| 52 糸賀華菜3(鹿島・茨城) | 216 | 中谷茉愛3(龍谷大平安・京都) | 105 |
| 53 大島奈々3(愛み大瑞穂・愛知) | 503 | 本間柚衣3(山形城北・山形) | 106 |
| | | 野村萌3(愛み大瑞穂・愛知) | 107 |

女子シングルス (2)

| | | | |
|-----------------------|-----|-------------------|-----|
| 108 千葉菜月3(遊学館・石川) | 233 | 工藤夢2(五所商業・青森) | 162 |
| 109 米満真奈美2(木更津総合・千葉) | 144 | 福澤梨紗3(松商学園・長野) | 163 |
| 110 口地恋菜2(白子・三重) | 317 | 亀田怜1(松山聖陵・愛媛) | 164 |
| 111 地下久瑠美2(尽誠学園・香川) | 145 | 三田花音3(吾妻中央・群馬) | 165 |
| 112 杉本果緒1(希望が丘・福岡) | 234 | 中田絵梨奈1(愛み大瑞穂・愛知) | 166 |
| 113 松本恵奈2(奈良女子・奈良) | 146 | 富田真穂3(鎮西学院・長崎) | 167 |
| 114 遠藤愛里沙3(聖和学園・宮城) | 147 | 中島花3(奈良女子・奈良) | 168 |
| 115 真鍋雅3(山陽女子・岡山) | 235 | 杉渕 梨3(駒大苫小牧・北海道) | 169 |
| 116 畑中彩月季1(名経大高蔵・愛知) | 148 | 川本菜乃花1(山陽女子・岡山) | 170 |
| 117 稲葉文子3(明秀日立・茨城) | 149 | 薮島百合絵3(青藍泰斗・栃木) | 171 |
| 118 海保愛美2(武蔵野・東京) | 150 | 稲吉美沙2(希望が丘・福岡) | 172 |
| 119 和泉葵2(龍谷大平安・京都) | 236 | 信田ことみ2(富田・岐阜) | 173 |
| 120 中国涼花3(明豊・大分) | 505 | 出澤杏佳1(大成女子・茨城) | 174 |
| 121 柳内 碧3(育英・兵庫) | 237 | 原田優芽2(桜の聖母・福島) | 175 |
| 122 阿久根あかり1(浜松修学舎・静岡) | 151 | 山口結愛2(日南学園・宮崎) | 176 |
| 123 三上紗希3(五所商業・青森) | 319 | 丸 怜央奈3(正智深谷・埼玉) | 177 |
| 124 長野瑛留1(樹徳・群馬) | 152 | 久保香那子3(高松商業・香川) | 178 |
| 125 平野朝日3(進徳女子・広島) | 238 | 福岡乃愛1(三田学園・兵庫) | 179 |
| 126 西原早紀3(済美・愛媛) | 153 | 本村凜子1(鳥栖・佐賀) | 180 |
| 127 高江洲由唯3(コザ・沖縄) | 154 | 門阪彩愛奈1(浜松修学舎・静岡) | 181 |
| 128 川北帆香1(正智深谷・埼玉) | 155 | 松橋天音3(秋田商業・秋田) | 182 |
| 129 小正佳奈3(鹿児島城西・鹿児島) | 239 | 伊藤希望2(北越・新潟) | 183 |
| 130 徳田明梨1(萩光塩学院・山口) | 156 | 高田菜々子3(滋賀学園・滋賀) | 184 |
| 131 宮野琴果1(富山いずみ・富山) | 157 | 森岡恭加1(明誠・島根) | 185 |
| 132 松本もも3(滋賀学園・滋賀) | 158 | 岩崎来南3(鹿児島城西・鹿児島) | 186 |
| 133 續橋千帆3(桜の聖母・福島) | 240 | 黒野葵衣3(武蔵野・東京) | 187 |
| 134 中田玲奈3(愛み大瑞穂・愛知) | 320 | 松井彩音3(横浜隼人・神奈川) | 188 |
| 135 高山結女子3(札幌大谷・北海道) | 241 | 小林美優1(宮古商業・岩手) | 189 |
| 136 青木佑生3(文大杉並・東京) | 159 | 大槻琴音1(進徳女子・広島) | 190 |
| 137 丹羽里佳3(富田・岐阜) | 321 | 幡司杏香3(福知山成美・京都) | 191 |
| 138 山鹿真奈2(長崎女子商・長崎) | 160 | 中園 恵3(桜丘・愛知) | 192 |
| 139 長岩楓子3(専大北上・岩手) | 242 | 里川奈優2(明德義塾・高知) | 193 |
| 140 森影千紘2(徳島商業・徳島) | 161 | 安田優佳3(開新・熊本) | 194 |
| 141 北川加純3(日本航空・山梨) | 162 | 中谷紗良3(粉河・和歌山) | 195 |
| 142 伊藤莉愛3(鶴岡北・山形) | 163 | 平野世和1(甲府西・山梨) | 196 |
| 143 松浦京佳3(浜松修学舎・静岡) | 243 | 逆瀬川 えみ2(中村学園女・福岡) | 197 |
| 144 奥村 光1(鳥取湖陵・鳥取) | 164 | 日口実咲1(白子・三重) | 198 |
| 145 江上明里1(開新・熊本) | 165 | 伊藤穂南美2(山形城北・山形) | 199 |
| 146 杉林海珠2(文星女子・栃木) | 166 | 佐野夏希2(鳥取敬愛・鳥取) | 200 |
| 147 伊藤美咲2(長野商業・長野) | 244 | 平川 咲3(遊学館・石川) | 201 |
| 148 宮崎 翔3(四天王寺・大阪) | 322 | 板花美和3(愛み大瑞穂・愛知) | 202 |
| 149 池田三紗3(日南学園・宮崎) | 245 | 寺下優花3(福井商業・福井) | 203 |
| 150 太田萌水3(北越・新潟) | 167 | 吉田みさと3(木更津総合・千葉) | 204 |
| 151 中山恭花2(幕張総合・千葉) | 168 | 田村美佳2(育英・兵庫) | 205 |
| 152 梶原 鈴3(由利・秋田) | 169 | 宮田保野花3(明豊・大分) | 206 |
| 153 上野佑依奈3(粉河・和歌山) | 246 | 寺本愛花2(徳島市立・徳島) | 207 |
| 154 浅井一恵2(桜丘・愛知) | 412 | 堀 聖佳3(南砺福野・富山) | 208 |
| 155 野村優香3(明誠・島根) | 170 | 日浦愛佳1(日女二階堂・東京) | 209 |
| 156 篠原範香2(姫路商業・兵庫) | 171 | 比嘉彩百合3(コザ・沖縄) | 210 |
| 157 伊藤凜々子1(古川黎明・宮城) | 172 | 金本茉実1(岩国商業・山口) | 211 |
| 158 高田愛佳3(明德義塾・高知) | 173 | 佐々木美玲3(聖和学園・宮城) | 212 |
| 159 坂本明日華3(佐賀商業・佐賀) | 174 | 相場美咲3(秋草学園・埼玉) | 213 |
| 160 小畑美月1(横浜隼人・神奈川) | 248 | 塩見真希3(四天王寺・大阪) | 214 |
| 161 青木千佳3(福井商業・福井) | 323 | | |

2018.7.7 審判長 塩見 卓生

男子ダブルス (1)

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|----|----|----|----|---|------------|------------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| 1 | 田加 | 中山 | 佑汰 | 3 | 2 | (愛工大名電・愛知) | 201 | 301 | 401 | 501 | 601 | 502 | 209 | 312 | 305 | 211 | 215 | 306 | 116 | 212 | 501 | 502 | 213 | 117 | 307 | 118 | 214 | 401 | 119 | 215 | 120 | 308 | 121 | 216 | 501 | 502 | |
| 2 | 高末 | 橋光 | 慶悠 | 任真 | 2 | 1 | (鳥取敬愛・鳥取) | 101 | 202 | 103 | 203 | 104 | 302 | 105 | 204 | 106 | 205 | 107 | 303 | 108 | 206 | 109 | 402 | 110 | 207 | 111 | 208 | 112 | 209 | 113 | 210 | 114 | 211 | 115 | 304 | 212 | 503 |
| 3 | 岩 | 淵 | 匠 | 康 | 3 | 2 | (粉河・和歌山) | 301 | 401 | 501 | 601 | 502 | 305 | 210 | 305 | 211 | 215 | 306 | 116 | 212 | 501 | 502 | 213 | 117 | 307 | 118 | 214 | 401 | 119 | 215 | 120 | 308 | 121 | 216 | 501 | 502 | |
| 4 | 須小 | 田山 | 陽風 | 太士 | 3 | 2 | (岩瀬日大・茨城) | 102 | 202 | 103 | 203 | 104 | 302 | 105 | 204 | 106 | 205 | 107 | 303 | 108 | 206 | 109 | 402 | 110 | 207 | 111 | 208 | 112 | 209 | 113 | 210 | 114 | 211 | 115 | 304 | 212 | 503 |
| 5 | 杉 | 本 | 和 | 也 | 2 | 1 | (希望が丘・福岡) | 202 | 103 | 203 | 104 | 302 | 105 | 204 | 106 | 205 | 107 | 303 | 108 | 206 | 109 | 402 | 110 | 207 | 111 | 208 | 112 | 209 | 113 | 210 | 114 | 211 | 115 | 304 | 212 | 503 | |
| 6 | 谷 | 川 | 竜 | 介 | 3 | 3 | (東奥学園・青森) | 103 | 202 | 103 | 203 | 104 | 302 | 105 | 204 | 106 | 205 | 107 | 303 | 108 | 206 | 109 | 402 | 110 | 207 | 111 | 208 | 112 | 209 | 113 | 210 | 114 | 211 | 115 | 304 | 212 | 503 |
| 7 | 増 | 本 | 時 | 祥 | 3 | 3 | (松山商業・愛媛) | 103 | 202 | 103 | 203 | 104 | 302 | 105 | 204 | 106 | 205 | 107 | 303 | 108 | 206 | 109 | 402 | 110 | 207 | 111 | 208 | 112 | 209 | 113 | 210 | 114 | 211 | 115 | 304 | 212 | 503 |
| 8 | 田 | 仲 | 禄 | 斗 | 3 | 3 | (東山・京都) | 203 | 104 | 302 | 105 | 204 | 106 | 205 | 107 | 303 | 108 | 206 | 109 | 402 | 110 | 207 | 111 | 208 | 112 | 209 | 113 | 210 | 114 | 211 | 115 | 304 | 212 | 503 | 504 | 505 | |
| 9 | 土 | 橋 | 拓 | 実 | 3 | 3 | (高岡龍谷・富山) | 104 | 302 | 105 | 204 | 106 | 205 | 107 | 303 | 108 | 206 | 109 | 402 | 110 | 207 | 111 | 208 | 112 | 209 | 113 | 210 | 114 | 211 | 115 | 304 | 212 | 503 | 504 | 505 | | |
| 10 | 相 | 澤 | 唯 | 人 | 3 | 3 | (聖和学園・宮城) | 104 | 302 | 105 | 204 | 106 | 205 | 107 | 303 | 108 | 206 | 109 | 402 | 110 | 207 | 111 | 208 | 112 | 209 | 113 | 210 | 114 | 211 | 115 | 304 | 212 | 503 | 504 | 505 | | |
| 11 | 近 | 藤 | 蓮 | 介 | 3 | 2 | (明豊・大分) | 105 | 204 | 106 | 205 | 107 | 303 | 108 | 206 | 109 | 402 | 110 | 207 | 111 | 208 | 112 | 209 | 113 | 210 | 114 | 211 | 115 | 304 | 212 | 503 | 504 | 505 | 506 | 507 | | |
| 12 | 甚 | 田 | 翔 | 風 | 3 | 3 | (明大中野・東京) | 201 | 301 | 401 | 501 | 601 | 502 | 211 | 215 | 306 | 116 | 212 | 501 | 502 | 213 | 117 | 307 | 118 | 214 | 401 | 119 | 215 | 120 | 308 | 121 | 216 | 501 | 502 | 508 | 509 | |
| 13 | 竹 | 崎 | 涼 | 太 | 2 | 2 | (関西・岡山) | 201 | 301 | 401 | 501 | 601 | 502 | 211 | 215 | 306 | 116 | 212 | 501 | 502 | 213 | 117 | 307 | 118 | 214 | 401 | 119 | 215 | 120 | 308 | 121 | 216 | 501 | 502 | 508 | 509 | |
| 14 | 岩 | 本 | 拓 | 海 | 3 | 3 | (明德義塾・高知) | 205 | 305 | 405 | 505 | 605 | 506 | 213 | 117 | 307 | 118 | 214 | 401 | 119 | 215 | 120 | 308 | 121 | 216 | 501 | 502 | 508 | 509 | 510 | 511 | 512 | 513 | 514 | 515 | 516 | |
| 15 | 池 | 田 | 陽 | 翔 | 1 | 1 | (専大北上・岩手) | 106 | 205 | 305 | 405 | 505 | 605 | 506 | 213 | 117 | 307 | 118 | 214 | 401 | 119 | 215 | 120 | 308 | 121 | 216 | 501 | 502 | 508 | 509 | 510 | 511 | 512 | 513 | 514 | 515 | 516 |
| 16 | 丸 | 山 | 海 | 翔 | 3 | 2 | (福井商業・福井) | 106 | 205 | 305 | 405 | 505 | 605 | 506 | 213 | 117 | 307 | 118 | 214 | 401 | 119 | 215 | 120 | 308 | 121 | 216 | 501 | 502 | 508 | 509 | 510 | 511 | 512 | 513 | 514 | 515 | 516 |
| 17 | 上 | 村 | 太 | 陽 | 3 | 2 | (大阪桐蔭・大阪) | 107 | 205 | 305 | 405 | 505 | 605 | 506 | 213 | 117 | 307 | 118 | 214 | 401 | 119 | 215 | 120 | 308 | 121 | 216 | 501 | 502 | 508 | 509 | 510 | 511 | 512 | 513 | 514 | 515 | 516 |
| 18 | 岡 | 野 | 鉄 | 平 | 2 | 3 | (関商工・岐阜) | 107 | 205 | 305 | 405 | 505 | 605 | 506 | 213 | 117 | 307 | 118 | 214 | 401 | 119 | 215 | 120 | 308 | 121 | 216 | 501 | 502 | 508 | 509 | 510 | 511 | 512 | 513 | 514 | 515 | 516 |
| 19 | 坂 | 本 | 龍 | 音 | 3 | 2 | (学館浦安・千葉) | 108 | 205 | 305 | 405 | 505 | 605 | 506 | 213 | 117 | 307 | 118 | 214 | 401 | 119 | 215 | 120 | 308 | 121 | 216 | 501 | 502 | 508 | 509 | 510 | 511 | 512 | 513 | 514 | 515 | 516 |
| 20 | 下 | 田 | 奨 | 磨 | 3 | 3 | (開新・熊本) | 108 | 205 | 305 | 405 | 505 | 605 | 506 | 213 | 117 | 307 | 118 | 214 | 401 | 119 | 215 | 120 | 308 | 121 | 216 | 501 | 502 | 508 | 509 | 510 | 511 | 512 | 513 | 514 | 515 | 516 |
| 21 | 井 | 上 | 友 | 希 | 2 | 2 | (出雲北陵・島根) | 109 | 205 | 305 | 405 | 505 | 605 | 506 | 213 | 117 | 307 | 118 | 214 | 401 | 119 | 215 | 120 | 308 | 121 | 216 | 501 | 502 | 508 | 509 | 510 | 511 | 512 | 513 | 514 | 515 | 516 |
| 22 | 星 | 野 | 隆 | 斗 | 3 | 2 | (埼玉栄・埼玉) | 109 | 205 | 305 | 405 | 505 | 605 | 506 | 213 | 117 | 307 | 118 | 214 | 401 | 119 | 215 | 120 | 308 | 121 | 216 | 501 | 502 | 508 | 509 | 510 | 511 | 512 | 513 | 514 | 515 | 516 |
| 23 | 岩 | 田 | 晃 | 希 | 3 | 3 | (添上・奈良) | 110 | 205 | 305 | 405 | 505 | 605 | 506 | 213 | 117 | 307 | 118 | 214 | 401 | 119 | 215 | 120 | 308 | 121 | 216 | 501 | 502 | 508 | 509 | 510 | 511 | 512 | 513 | 514 | 515 | 516 |
| 24 | 刘 | 多 | 念 | 一 | 2 | 1 | (日南学園・宮崎) | 110 | 205 | 305 | 405 | 505 | 605 | 506 | 213 | 117 | 307 | 118 | 214 | 401 | 119 | 215 | 120 | 308 | 121 | 216 | 501 | 502 | 508 | 509 | 510 | 511 | 512 | 513 | 514 | 515 | 516 |
| 25 | 木 | 田 | 蓮 | 斗 | 3 | 2 | (三浦学苑・神奈川) | 111 | 205 | 305 | 405 | 505 | 605 | 506 | 213 | 117 | 307 | 118 | 214 | 401 | 119 | 215 | 120 | 308 | 121 | 216 | 501 | 502 | 508 | 509 | 510 | 511 | 512 | 513 | 514 | 515 | 516 |
| 26 | 手 | 塚 | 大 | 輝 | 2 | 1 | (静岡学園・静岡) | 111 | 205 | 305 | 405 | 505 | 605 | 506 | 213 | 117 | 307 | 118 | 214 | 401 | 119 | 215 | 120 | 308 | 121 | 216 | 501 | 502 | 508 | 509 | 510 | 511 | 512 | 513 | 514 | 515 | 516 |
| 27 | 浅 | 利 | 良 | 維 | 3 | 3 | (遊学館・石川) | 208 | 205 | 305 | 405 | 505 | 605 | 506 | 213 | 117 | 307 | 118 | 214 | 401 | 119 | 215 | 120 | 308 | 121 | 216 | 501 | 502 | 508 | 509 | 510 | 511 | 512 | 513 | 514 | 515 | 516 |

男子ダブルス (2)

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|----|----|----|----|---|---|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
| 34 | 藤手 | 木塚 | 大峻 | 輔馬 | 2 | 1 | (明德義塾・高知) | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|----|----|----|----|---|---|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|

2018.7.7 審判長 塩見卓生